खंड 4
मनोविज्ञान के अनुप्रयोग

खंड 4 मनोविज्ञान के आवेदन

परिचय

इस खंड में एक एकल इकाई शामिल है जो मनोविज्ञान के विभिन्न दायरे और अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा करती है। इस इकाई में आपको नैदानिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मनोविज्ञान की प्रयोज्यता के बारे में बताया जाएगा। और आप कार्यस्थल और संगठन में मनोविज्ञान के उपयोग से भी परिचित होंगे। इस इकाई में कई लागू क्षेत्र शामिल हैं जिनमें शिक्षा, खेल, आपराधिक, फोरेंसिक, पर्यावरण, सैन्य और विमानन शामिल हैं।

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

इकाई 10 मनोविज्ञान के अनुप्रयोग*

इकाई की रूपरेखा

10.0 परिचय

10.1 उद्देश्य

10.2 नैदानिक और स्वास्थ्य

- 10.2.1 नैदानिक मनोविज्ञान
- 10.2.2 परामर्श मनोविज्ञान
- 10.2.3 स्वास्थ्य मनोविज्ञान

10.3 काम और संगठन

- 10.3.1 अभियांत्रिकी मनोविज्ञान
- 10.3.2 औद्योगिक / संगठनात्मक मनोविज्ञान
- 10.3.3 उपभोक्ता मनोविज्ञान

10.4 शिक्षा और खेल

- 10.4.1 शिक्षात्मक मनोविज्ञान
- 10.4.2 स्कूल मनोविज्ञान
- 10.4.3 खेल मनोविज्ञान

10.5 आपराधिक और फोरेंसिक

- 10.5.1 फोरेंसिक मनोविज्ञान
- 10.5.2 आपराधिक मनोविज्ञान

10.6 वातावरण

- 10.6.1 पर्यावरण मनोविज्ञान

10.7 सैन्य और विमानन

- 10.7.1 सैन्य मनोविज्ञान
- 10.7.2 विमानन मनोविज्ञान

10.8 सारांश

10.9 इकाई अभ्यास प्रश्न

10.10 शब्दावली

10.11 स्व-मूल्यांकन प्रश्नों के उत्तर

10.12 संदर्भ और सुझाव रीडिंग

10.0 परिचय

मनोविज्ञान की वह शाखा जो अपराध की जांच में कानून लागू करने वाली एजेंसियों की मदद करती है, फोरेंसिक मनोविज्ञान के रूप में जानी जाती है। यह मनोविज्ञान के कई लागू क्षेत्रों में से एक है। इस अध्याय में, हम स्वास्थ्य, शिक्षा, संगठन, कानून, पर्यावरण, और सैन्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मनोविज्ञान के अनुप्रयोग पर चर्चा करेंगे।

* प्रो. अमूल्य खुराना, मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल, इग्नू, दिल्ली (बीपीसी 001, खंड 1 से अनुकूलित)

10.1 उद्देश्य

इस इकाई के अंत तक, आप निम्न कार्य कर सकेंगे:

- नैदानिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मनोविज्ञान के अनुप्रयोग को समझना;
- संगठन, शिक्षा और खेल में मनोविज्ञान की भूमिका को समझ सकेंगे;
- मनोविज्ञान आपराधिक व्यवहार को समझने में कैसे योगदान कर सकता है को समझ सकेंगे;
- पर्यावरण के मुद्दों को समझने में मनोविज्ञान की भूमिका को जान सकेंगे; तथा
- सैन्य और उड्डयन के क्षेत्र में मनोविज्ञान की भूमिका की सराहना कर सकेंगे।

10.2 नैदानिक और स्वास्थ्य

10.2.1 नैदानिक मनोविज्ञान

नैदानिक मनोवैज्ञानिक मनोचिकित्सा करते हैं; नैदानिक समस्याओं की जाँच करते है और उपचार के तरीके विकसित करते है। यह क्षेत्र गंभीर मनोवैज्ञानिक विकारों और भावनात्मक परेशानियों के निदान, कारणों और उपचार पर जोर देता है। अक्सर नैदानिक मनोविज्ञान और मनोचिकित्सा के क्षेत्रों के बीच भ्रम होता है क्योंकि, नैदानिक मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सक दोनों मनोचिकित्सा प्रदान करते हैं। और दोनों आमतौर पर कई अस्पतालों/क्लीनिकों में एक साथ काम करते हैं। इसीलिए कई लोग दोनों के बीच के अंतर को लेकर भ्रमित हो जाते हैं। खैर, वे पेशेवरों के दो अलग-अलग समूहों से संबंधित हैं और उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ निदान और उपचार के तरीकों में भिन्न हैं। मनोचिकित्सक चिकित्सक हैं। अपने एम.बी.बी.एस पूरा करने के बाद, वे मनोरोग में डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (M.D.) करते हैं और मानसिक विकारों के उपचार में विशेषज्ञ होते हैं। जबकि, नैदानिक मनोवैज्ञानिक नैदानिक मनोविज्ञान में एम.ए/एम.एस.सी और/या डॉक्टरेट की डिग्री (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच. डी) में डिग्री रखते हैं। प्रशिक्षण में इस अंतर के कारण, नैदानिक मनोवैज्ञानिक जिनके पास चिकित्सा प्रशिक्षण नहीं है, वे व्यवहार विकारों के इलाज के लिए दवाओं को नहीं लिख सकते हैं। इसके अलावा, जब भी चिकित्सा विकार की संभावना होती है, तो एक रोगी को मनोचिकित्सक या अन्य चिकित्सक द्वारा जाँच की जानी चाहिए। इसके अलावा, एक मनोचिकित्सक एक मरीज को उपचार और देखभाल के लिए अस्पताल में भेज सकता है। नैदानिक मनोवैज्ञानिक मनोवैज्ञानिक विकारों के निदान,

उपचार और रोकथाम के बेहतर तरीके खोजने के लिए अनुसंधान करते हैं। वे इन विकारों के कारणों की पहचान करने के लिए मानकीकृत परीक्षणों पर भी बहुत भरोसा करते हैं। वे मनोचिकित्सा का उपयोग करते हैं, जिसके लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है, मानसिक विकारों के उपचार के लिए। लेकिन नैदानिक मनोवैज्ञानिक व्यवहार विकारों के इलाज के लिए दवाओं को निर्धारित करने के लिए अधिकृत नहीं हैं, क्योंकि उनके पास चिकित्सा प्रशिक्षण नहीं है। इसके अलावा, वे देखभाल और उपचार के लिए एक मरीज को अस्पताल में नहीं भेज सकते हैं। जब भी एक चिकित्सा विकार की संभावना होती है, तो एक रोगी को मनोचिकित्सक या अन्य चिकित्सक द्वारा जांच की जानी चाहिए।

10.2.2 परामर्श मनोविज्ञान

परामर्श मनोवैज्ञानिक का कार्य काफी हद तक नैदानिक मनोवैज्ञानिक के समान है। उनके बीच का अंतर यह है कि परामर्श मनोवैज्ञानिक आमतौर पर उन लोगों के साथ काम करते हैं जिनके पास भावनात्मक और व्यक्तिगत समस्याएं हैं। वे इन समस्याओं की मदद करने के प्रयास में मनोचिकित्सा का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन उनके पेशे का मुख्य उद्देश्य अपने ग्राहकों (clients) को व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करना है; तथा भावनात्मक गड़बड़ी और परामर्श विधियों पर शोध करना है। यह शाखा लोगों/व्यक्तियों को पारस्परिक समस्याओं, करियर विकल्प, हल्के भावनात्मक परेशानियों या व्यवहार संबंधी समस्याओं जैसे कि अधिक भोजन, धीमी गति से सीखने या एकाग्रता की कमी सहित व्यक्तिगत समस्याओं में मदद करती है। परामर्श मनोवैज्ञानिक एक विशिष्ट समस्या वाले व्यक्तियों की सहायता करते हैं जैसे कि कैरियर की योजना कैसे बनाई जाए, अधिक प्रभावी पारस्परिक कौशल कैसे विकसित करें (जैसे संचार कौशल)। परामर्श मनोविज्ञान के भीतर कई विशिष्ट क्षेत्र हैं और विशेषज्ञ विवाह सलाहकार, परिवार परामर्शदाता, स्कूल परामर्शदाता आदि के रूप में काम कर रहे हैं।

10.2.3 स्वास्थ्य मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के उभरते क्षेत्रों में से एक स्वास्थ्य मनोविज्ञान है- जिसमें स्वास्थ्य, बीमारी और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारों का वैज्ञानिक अध्ययन होता है। स्वास्थ्य मनोवैज्ञानिकों का उद्देश्य स्वास्थ्य व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाना और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और बीमारी को रोकने के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का उपयोग करना है। American Psychological Association (APA) में स्वास्थ्य मनोविज्ञान का एक अलग विभाजन है। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएषन (एपीए) के अनुसार, यह "बुनियादी और नैदानिक अनुसंधान, शिक्षा और सेवा गतिविधियों के माध्यम से स्वास्थ्य और बीमारी की समझ के लिए मनोविज्ञान के अग्रिम योगदान के लिए स्थापित किया गया है और वर्तमान के साथ स्वास्थ्य और बीमारी के बारे में बायोमेडिकल जानकारी के एकीकरण को प्रोत्साहित करता है।'' "(एपीए, 2008)। स्वास्थ्य मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि हमारी भावनाएं और व्यवहार हमारे स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए, लंबे समय तक तनाव, उच्च रक्तचाप और हृदय गति में वृद्धि का कारण बनता है। इसलिए स्वास्थ्य मनोवैज्ञानिकों का एक प्रमुख क्षेत्र रोगी शिक्षा है-वह प्रक्रिया जिसके द्वारा रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों या देखभाल करने वालों को उनके स्वास्थ्य व्यवहार को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा प्रदान की जाती है। सरकारी अस्पतालों और स्वतंत्र शोधकर्ता के साथ काम करने वाले अस्पतालों, क्लीनिकों में स्वास्थ्य मनोवैज्ञानिक होते हैं।

10.3 कार्य और संगठन

10.3.1 अभियांत्रिकी मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के इस क्षेत्र में व्यवसाय, उद्योग और सेना के लिए मशीनरी, कंप्यूटर, हवाई जहाज, ऑटोमोबाइल, और इसी तरह के डिजाइन पर अनुसंधान लागू किया जाता है। इस क्षेत्र में काम करने वाले मनोवैज्ञानिक इस तरह से निर्देश पुस्तिका लिखने के लिए भी जिम्मेदार हैं, जिन्हें कोई भी समझ सकता है ताकि वे जटिल मशीनरी और घरेलू उपकरणों को संचालित कर सकें। लागू मनोविज्ञान की एक शाखा के रूप में, इस क्षेत्र ने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। औद्योगिक मनोवैज्ञानिकों ने सही प्रकार की मशीनों को डिजाइन करने में मदद की है, जिससे श्रमिकों के लिए अनावश्यक संचालन को समाप्त करने, तनाव को कम करने और भ्रम और निरीक्षण की संभावनाओं को खत्म करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना संभव हुआ है। इस कर्मचारी के नौकरी समायोजित करने का पहलू मानव इंजीनियरिंग के रूप में जाना जाता है। तनाव को कम करने और दक्षता और कार्य आउटपुट को अधिकतम करने के लिए मानव-इंजीनियरिंग ने अल्ट्रा-आरामदायक ऑटोमोबाइल, विमान आदि विकसित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।

10.3.2 औद्योगिक / संगठनात्मक मनोविज्ञान

कर्मचारियों की चयन और भर्ती, प्रदर्शन मूल्यांकन, कार्य प्रेरणा से लेकर नेतृत्व तक के कार्य सेटिंग में व्यवहार के सभी पहलुओं की जाँच करता है। उद्योगों और संगठनों की समस्याओं के लिए मनोविज्ञान का पहला योगदान कर्मचारियों के चयन और भर्ती में उनकी बुद्धिमत्ता योग्यता परीक्षणों का उपयोग करने में रहा था। आजकल, कई कंपनियां कर्मचारियों को काम पर रखने और चयन के लिए अपने कार्यक्रमों में ऐसे परीक्षणों के आधुनिक संस्करणों का उपयोग कर रही हैं। इस क्षेत्र के विशेषज्ञ संगठन के भीतर प्रबंधन और कर्मचारी प्रशिक्षण, नेतृत्व और पर्यवेक्षण, संचार, प्रेरणा, अंतर और अंतर-समूह संघर्ष से संबंधित समस्याओं के लिए मनोविज्ञान का भी उपयोग करते हैं। वे काम के माहौल और संगठनों और कार्य सेटिंग्स में मानवीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन मनोवैज्ञानिकों को कभी-कभी कार्मिक मनोवैज्ञानिक भी कहा जाता है।

10.3.3 उपभोक्ता मनोविज्ञान

यह मनोविज्ञान का एक अन्य क्षेत्र जो अपने उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को समझकर संगठनों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करता है और इस प्रकार उनकी बिक्री में वृद्धि को उपभोक्ता मनोविज्ञान के रूप में जाना जाता है। प्रत्येक उद्योग अपने उत्पादों को बेचने की अपनी क्षमता पर निर्भर करता है, न केवल अपने अस्तित्व के लिए बल्कि इसके विकास और विस्तार के लिए भी। इसलिए, इन उत्पादों को खरीदने वाले लोगों की जरूरतों, पसंद, नापसंद और आदतों को जानना महत्वपूर्ण है। एक घड़ी कंपनी में, घड़ियों की एक नई रेंज के लिए उत्पाद प्रभारी, जो माना जाता था कि अति सुंदर थे, कंपनी के भीतर अपने ही दोस्तों और साथियों से अनौपचारिक प्रतिक्रिया ली किन्तु उन्होंने उपभोक्ताओं के साथ औपचारिक रूप प्रतिक्रिया नहीं ली। वे उत्पादन के साथ आगे बढ़े। लेकिन, उनके पास कई महीनों तक उनकी घड़ी नहीं बिकी क्योंकि उपभोक्ताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया था, मुख्य कारण उन सुंदर डायल पर पढ़ने में कठिनाई हो रही थी। कहीं न कहीं, अत्याधुनिक बनाने के खोज में, शायद, वे मूल बातें भूल गए थे। यह उपभोक्ता मनोविज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालता है, और न केवल उपभोक्ता सर्वेक्षणों के माध्यम से उपभोक्ता की जरूरतों

और वरीयताओं को समझने का प्रयास करती है, बल्कि विज्ञापन के क्षेत्र में भी योगदान देती है। यह क्षेत्रा प्रभावी विज्ञापन उद्योगों को अपने उत्पादों को खरीदने के लिए उपभोक्ताओं को प्रभावित करने में मदद करता है। मनोवैज्ञानिक विज्ञापन डिजाइन करने में मदद करते रहे हैं जो उपभोक्ताओं का ध्यान आकर्षित करते हैं और प्रभावी ढंग से संदेश देते हैं ताकि वे उत्पादों को खरीदने के लिए प्रेरित हों।

स्व-मूल्यांकन प्रश्न

बताएं कि क्या निम्नलिखित 'सही' या 'गलत' हैं:

1) इंजीनियरिंग मनोविज्ञान आचरण ने मशीनरी, कंप्यूटर, हवाई जहाज, ऑटोमोबाइल पर शोध किया। .....

2) स्वास्थ्य मनोवैज्ञानिकों का उद्देश्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और बीमारी को रोकने के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का उपयोग करना है। .....

3) नैदानिक मनोवैज्ञानिकों का मुख्य उद्देश्य अपने ग्राहकों को व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करना है; भावनात्मक गड़बड़ी और परामर्श विधियाँ। .....

10.4 शिक्षा और खेल

10.4.1 शैक्षिक मनोविज्ञान

शिक्षा, शायद, सबसे पुराने विज्ञानों में से एक है जिसके साथ मनोविज्ञान गहन रूप से जुड़ा हुआ है। शिक्षा का क्षेत्र मुख्य रूप से ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए प्रभावी दृष्टिकोण और तकनीकों के विकास से संबंधित है जो लोगों को व्यक्तिगत रूप से सफल और खुश और सामाजिक रूप से उत्पादक बनाता है। कहने की जरूरत नहीं है कि इन्हें प्राप्त करने के लिए, शिक्षकों को सीखने की प्रकृति जैसे मनोवैज्ञानिक कारकों को ध्यान में रखना होगा। यह क्षेत्र विद्यार्थियों की क्षमता, उनकी आवश्यकताओं और अन्य कारकों के बीच शिक्षण के उचित तरीके का अध्ययन करता है। शैक्षिक मनोविज्ञान कक्षा की गतिशीलता, शिक्षण शैलियों और सीखने की जांच करता है; शैक्षिक परीक्षण विकसित करता है, शैक्षिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन करता है। यह शैक्षिक प्रक्रिया के सभी पहलुओं की जांच करता है, जिसमें पाठ्यक्रम डिजाइन से लेकर बच्चों में शिक्षण की अक्षमता तक को समझने की तकनीक होती है। यह शाखा पाठ्यक्रम के बारे में/सीखने और प्रेरणा के बारे में मनोवैज्ञानिक ज्ञान को लागू करके स्कूल में सीखने की दक्षता बढ़ाता है। शैक्षिक मनोवैज्ञानिकों ने विभिन्न प्रकार के परीक्षणों को विकसित करके व्यापक योगदान दिया है, जो शिक्षक को विद्यार्थियों की क्षमताओं, उनके झुकाव को मापने और उचित शैक्षिक स्तरों और स्थितियों को चुनने में मदद करते हैं। प्रेरणा के मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों ने छात्रों को अपनी शिक्षा में सुधार के लिए प्रेरित करने की तकनीकों को काम करने में योगदान दिया है। धारणा, सीखने और संचार के मनोविज्ञान में शोधकर्ताओं ने शिक्षण के प्रभावी तरीकों को विकसित करने, उपयोगी शिक्षण एड्स की तैयारी आदि में योगदान दिया है। इस प्रकार, यह देखा जा सकता है कि मनोविज्ञान और शिक्षा के बीच संबंध बहुत अंतरंग है।

10.4.2 स्कूल मनोविज्ञान

शैक्षिक मनोविज्ञान का एक और विशेष उप-क्षेत्र स्कूल मनोविज्ञान के रूप में जाना जाता है। ये मनोवैज्ञानिक परीक्षण, रेफरल, छात्रों की भावनात्मक और व्यावसायिक परामर्श करते

हैं; सीखने की अक्षमताओं का पता लगाना और उनका इलाज करना, और कक्षा की शिक्षा को बेहतर बनाने में मदद करना, सीखने की कठिनाइयों का निदान करना और उन्हें मापने की कोशिश करना शामिल है।

10.4.3 खेल मनोविज्ञान

यूरोपीय फेडरेशन ऑफ स्पोर्ट्स साइकोलॉजी (FEPSAC) के अनुसार खेल मनोविज्ञान "खेल के मनोवैज्ञानिक आधार, प्रक्रियाओं और प्रभावों का अध्ययन" (1996) है। एक खेल मनोवैज्ञानिक के रूप में खुद को पंजीकृत करने के लिए, "किसी को मनोविज्ञान में पहली डिग्री और खेल विज्ञान में उच्च डिग्री या खेल विज्ञान में पहली डिग्री और खेल मनोविज्ञान (जार्विस, 2006) में उच्च डिग्री करने की आवश्यकता होती है। मोटे तौर पर, खेल का काम। मनोवैज्ञानिक तीन डोमेन में योगदान कर सकते हैं; (1) खेल के विभिन्न मनोवैज्ञानिक पहलुओं की जांच के लिए अनुसंधान आयोजित करना, (2) अनुसंधान के हाल के निष्कर्षों के बारे में छात्रों, अधिकारियों और खिलाड़ियों के बीच शिक्षा प्रदान करना और (3) मूल्यांकन में खेल मनोविज्ञान के सिद्धांतों को लागू करना। एथलीटों द्वारा सामना की जाने वाली किसी भी मनोवैज्ञानिक समस्याओं में हस्तक्षेप करना भी इस क्षेत्र में आता है।

10.5 आपराधिक और फोरेंसिक

10.5.1 फोरेंसिक मनोविज्ञान

यह मनोविज्ञान और आपराधिक न्याय प्रणाली के बीच का अंतरक्षेत्र है। इसमें न्यायाधीशों, वकीलों और अन्य कानूनी पेशेवरों के साथ उचित रूप से बातचीत करने में सक्षम होने के लिए, संबंधित न्यायालयों में आपराधिक कानून को समझना शामिल है। फोरेंसिक मनोविज्ञान का एक महत्वपूर्ण पहलू अदालत में गवाही देने की क्षमता है, अदालत के कानूनी भाषा में मनोवैज्ञानिक निष्कर्षों का सुधार करना, कानूनी कर्मियों को इस तरह से जानकारी प्रदान करना है। एक फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक को नैदानिक, सामाजिक, संगठनात्मक या मनोविज्ञान की किसी अन्य शाखा में प्रषिक्षित किया जा सकता है। आम तौर पर, फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक एक विशेष क्षेत्राधिकार के विशेषज्ञ के रूप में नामित किया जाता है। फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक एक विशेषज्ञ के रूप में योग्य होता है, अनुभव और प्रतिष्ठा के साथ बढ़ता है।

एक फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक की अदालत द्वारा पूछे गए प्रश्न आम तौर पर मनोविज्ञान के बारे में प्रश्न नहीं होते हैं, बल्कि कानूनी प्रश्न होते हैं जिनकी प्रतिक्रिया ऐसी भाषा में होनी चाहिए जिसे अदालत समझ सके। फोरेंसिक मनोविज्ञानी सजा की सिफारिशें, उपचार की सिफारिशें, और किसी भी अन्य जानकारी को न्यायाधीशों के अनुरोध, जैसे कि कारकों को कम करने, भविष्य के जोखिम के मूल्यांकन और गवाह की विश्वसनीयता के मूल्यांकन के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। फोरेंसिक मनोविज्ञान में पुलिस या अन्य कानून प्रवर्तन कर्मियों का प्रशिक्षण और मूल्यांकन करना, आपराधिक प्रोफाइल के साथ कानून प्रवर्तन प्रदान करना और पुलिस विभागों के साथ काम करना शामिल है। फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक सार्वजनिक प्रतिवादी, स्टेट्स अटॉर्नी और निजी वकीलों दोनों के साथ काम करते हैं। जूरी चयन में फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक भी मदद कर सकते हैं। गवाही देने के लिए मनोरोगी व्यक्तित्व की आपराधिक रूपरेखा, पीड़ितों/गवाहों की मानसिक और भावनात्मक अवस्थाओं, ज्यूरी सदस्यों और न्यायाधीशों आदि द्वारा प्रक्रिया का निर्णय करने के लिए फोरेंसिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा अध्ययन किया जाता है। इन शोधों के निष्कर्ष कानूनी प्रणाली के लिए बहुत मददगार रहे हैं ताकि ईमानदार लोगों को न्याय मिले और दोषियों को दंडित किया जा सके।

10.5.2 आपराधिक मनोविज्ञान

फोरेंसिक मनोविज्ञान के समान एक अन्य क्षेत्र आपराधिक मनोविज्ञान है। इन मनोवैज्ञानिकों का उद्देश्य एक आपराधिक व्यवहार के पीछे मनोवैज्ञानिक कारकों और प्रेरणा को उजागर करना है। एक आपराधिक मनोवैज्ञानिक, आपराधिक रूपरेखा (प्रोफाइलिंग) या अपराधी के प्रोफाइलिंग को विकसित करने के लिए ज़िम्मेदार है। रूपरेखा या प्रोफाइलिंग एक अपराधी के मनोवैज्ञानिक और व्यवहार पैटर्न का विश्लेषण करने की तकनीक है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या अपराध एक ही अपराधी या अन्य अपराधी द्वारा किया गया था।

10.6 वातावरण

10.6.1 पर्यावरणीय मनोविज्ञान

यह मनोविज्ञान का अपेक्षाकृत नवीनतम का क्षेत्र है। पर्यावरण की जांच का फोकस मनोविज्ञान भौतिक पर्यावरण और मानव व्यवहार और अनुभव के बीच अंतःसंबंध है (होल्हन, 1982)। अपनी स्थापना के बाद से, पर्यावरण मनोविज्ञान ने कई प्रकार के विषयों के विद्वानों, शोधकर्ताओं, और चिकित्सकों को आकर्षित किया है, जिनमें समाजशास्त्र, भूगोल, मानव विज्ञान, चिकित्सा, वास्तुकला और योजना, साथ ही साथ मनोविज्ञान (क्रेक, 1970; प्रसस्की और ऑल्टमैन, 1979) शामिल हैं। भौतिक सेटिंग्स में मानव व्यवहार के अध्ययन के लिए कई सामाजिक विज्ञानों में शोधकर्ताओं के काम की आवश्यकता होती है और साथ ही आर्किटेक्ट और योजनाकारों के लिए जो मानव सेटिंग्स के डिजाइन के लिए जिम्मेदार होते हैं।

पर्यावरणीय मनोविज्ञान के शोधकर्ता कई प्रकार के प्रश्नों की पड़ताल करते हैं जिनमें मनोवैज्ञानिक सामग्री- स्थानिक व्यवहार पैटर्न, मानसिक चित्र, पर्यावरण तनाव, दृष्टिकोण परिवर्तन शामिल हैं। हालाँकि, शोधकर्ता मनोविज्ञान सहित कई विषयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पर्यावरण मनोविज्ञान में अनुसंधान व्यावहारिक समस्याओं के समाधान और एक नए सिद्धांत के निर्माण की ओर उन्मुख है। पर्यावरण मनोवैज्ञानिकों ने पर्यावरणीय धारणा, पर्यावरण अनुभूति, पर्यावरणीय दृष्टिकोण, सीखने और काम के माहौल में प्रदर्शन, पर्यावरण तनाव के साथ मुकाबला करने, भीड़, गोपनीयता और क्षेत्रीयता, निजी अंतरिक्ष, संबद्धता और शहरी वातावरण में समर्थन करने जैसे विषयों में काम किया है। इनमें पर्यावरण नियोजन भी शामिल है, उदाहरण के लिए, शहरी शोर को कम करना, बुजुर्गों के लिए घर डिजाइन, घने वातावरण में डिजाइन रणनीति, संस्थागत वातावरण में क्षेत्रीयता, उच्च वृद्धि वाले आवास के डिजाइन का मानवीकरण, शहरी नियोजन में नागरिक की भागीदारी आदि।

10.7 सैन्य और विमानन

10.7.1 सैन्य मनोविज्ञान

2011, में आतंकवाद पर वैश्विक युद्ध की शुरुआत और दुनिया भर में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि के बाद से, सैन्य कर्मियों द्वारा किए गए शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक चोटों के स्तर में कई गुना वृद्धि हुई है। ऐसी स्थिति में सैन्य मनोवैज्ञानिकों

की भूमिका अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। एक सैन्य सेटिंग में मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग के रूप में सैन्य मनोविज्ञान को परिभाषित किया जा सकता है। इन मनोवैज्ञानिकों के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों की बेहतरी में सुधार करना है। सैन्य मनोवैज्ञानिकों की भूमिका में मनोरोग मूल्यांकन करना भी शामिल है; मानसिक और भावनात्मक विकारों का आकलन और इलाज; और परामर्श सेवाएं प्रदान करना भी है। सैन्य मनोवैज्ञानिकों द्वारा संचालित प्रमुख गतिविधियों में अनुसंधान करना, मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना, शिक्षण, मूल्यांकन और सैन्य अधिकारियों का चयन करना और सैन्य संगठन के साथ समन्वय करना और सरकारी अधिकारियों को सलाह देना शामिल है।

10.7.2 विमानन (Aviation) मनोविज्ञान

मानव कारक मनोविज्ञान के क्षेत्र से संबंधित, यह मनोविज्ञान के हालिया और सबसे कम ज्ञात अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में से एक है। अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि वाणिज्यिक एयरलाइन पायलटों की दुनिया में सबसे अधिक तनावपूर्ण नौकरियों में से एक है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, इसे 4 सबसे तनावपूर्ण नौकरी के रूप में से एक की मान्यता दी गई है। 'विमानन मनोविज्ञान' विमान के डिजाइन, विशेष रूप से कॉकपिट डिस्प्ले और नियंत्रण, उड़ान से जुड़ी अवधारणात्मक और संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का अध्ययन, पायलटों और जमीनी कर्मियों के चयन और प्रशिक्षण पर काम, और विकास और परीक्षण पर शोध को शामिल करता है। विमानों के संचालन, रखरखाव और ट्रैकिंग के लिए प्रक्रियाएं भी करता है" (केयर्सले, 1981, पृष्ठ 10)। इस प्रकार, एक विमानन मनोवैज्ञानिक की भूमिका पायलटों की भर्ती में प्राधिकार की मदद करना और इंजीनियरों को पायलट-अनुकूल कॉकपिट प्रदर्शन डिजाइन करने में मदद करना है।

स्व-मूल्याकंन प्रश्न

खाली जगह भरें:

1) ..... एक सैन्य सेटिंग में मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग को संदर्भित करता है।

2) ..... में मनोविज्ञान व्यावहारिक समस्याओं के समाधान और एक नए सिद्धांत के निर्माण की ओर उन्मुख है।

3) आपराधिक प्रोफाइलिंग या अपराधी प्रोफाइलिंग-एक अपराधी के मनोवैज्ञानिक और व्यवहारिक पैटर्न का विश्लेषण करने की तकनीक विकसित करने के लिए जिम्मेदार ..... होते हैं।

4) खेल मनोवैज्ञानिकों का काम ..... डोमेन में श्रेणियां हो सकता है।

5) शैक्षिक मनोविज्ञान जांच करता है .....।

10.8 सारांश

इस इकाई में, विभिन्न क्षेत्रों में मनोविज्ञान के अनुप्रयोग पर चर्चा की गई। सबसे पहले, आपको नैदानिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मनोविज्ञान की प्रयोज्यता के बारे में पता चला। और फिर आप कार्यस्थल और संगठन में मनोविज्ञान के उपयोग से परिचित हुए। इस इकाई ने कई लागू क्षेत्रों को कवर किया जिसमें शिक्षा, खेल, आपराधिक, फोरेंसिक, पर्यावरण, सैन्य और विमानन शामिल थे।

10.9 इकाई अभ्यास प्रश्न

1) मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सक में क्या अंतर है?

2) इंजीनियरिंग मनोविज्ञान और संगठनात्मक मनोविज्ञान के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिकों की भूमिका पर विस्तृत।

3) बताइए कि अपराधी से निपटने में मनोवैज्ञानिक, कानून लागू करने वाली एजेंसियों की मदद कैसे कर सकते हैं?

4) पर्यावरणीय मनोविज्ञान के बारे में आप क्या समझते हैं?

5) सैन्य मनोवैज्ञानिकों और विमानन मनोवैज्ञानिकों की भूमिका स्पष्ट करें।

10.10 शब्दावली

नैदानिक मनोविज्ञान : नैदानिक मनोवैज्ञानिक मनोचिकित्सा करते हैं; नैदानिक समस्याओं की जांच करता है और उपचार के तरीके विकसित करता है।

स्वास्थ्य मनोविज्ञान : यह स्वास्थ्य, बीमारी और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारों का वैज्ञानिक अध्ययन है।

खेल मनोविज्ञान : यह खेल के मनोवैज्ञानिक आधार, प्रक्रियाओं और प्रभावों का अध्ययन है।

फोरेंसिक मनोविज्ञान : इसमें संबंधित न्यायालयों में आपराधिक कानून को समझना शामिल है, ताकि न्यायाधीशों, वकीलों और अन्य कानूनी पेशेवरों के साथ उचित रूप से बातचीत कर सकें।

सैन्य मनोविज्ञान : यह एक सैन्य सेटिंग में मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का अनुप्रयोग है।

10.11 स्व-मूल्यांकन प्रश्नों के उत्तर

स्व-मूल्याकंन प्रश्न

1) सत्य

2) सत्य

3) असत्य

4) सत्य

5) असत्य

स्व-मूल्याकंन प्रश्न

1) सैन्य मनोविज्ञान

2) पर्यावरण

3) आपराधिक मनोवैज्ञानिक

4) तीन

5) कक्षा की गतिशीलता, षिक्षण शैली, और सीखना; शैक्षिक परीक्षण विकसित करता है, शैक्षिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन करता है।

10.12 संदर्भ और सुझाव रीडिंग

Davey, G. (2008). *Clinical Psychology: Topics in Applied Psychology (TAP)*. Routledge Publication.

Jarvis, M. (2006). *Sports Psychology: A Student's Handbook*. Routledge Publication.

Smith, E. E. (2003). *Atkinson & Hilgard's Introduction to Psychology*. Wadsworth Publishing Company.

Morgan, C. T., King, R. A., Weisz, J. R. & Schopler, J. (2004). *Introduction to Psychology*. New Delhi: Tata McGraw-Hill.

Woolfe, R., Dryden, W., & Strawbridge, S. (Eds.). (2003). *Handbook of Counselling Psychology*. Sage.

Ogden, J. (2007). *Essential Readings in Health Psychology*. McGraw-Hill Education (UK).

Canter, D. (2010). *Forensic Psychology: A Very Short Introduction* (Vol. 235). Oxford University Press.

Maheshwari, N., & Kumar, V. V. (Eds.). (2016). *Military Psychology: Concepts, Trends, and Interventions*. SAGE Publications India.

Kearsley, G. (1981. August-September). *Aviation Psychology*. APA Monitor. 1Off.

छवियों के लिए संदर्भ

Crime Scene Investigators. Retrieved Novemebr 3, 2018, from https://www.allcriminaljusticeschools.com/forensics/how-to-become-a-crime-scene-investigator/

MPDD/IGNOU/P.O. 6.5K/February, 2020

ISBN : 978-93-89969-35-1